चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 11 मई 2026, अंक –276.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

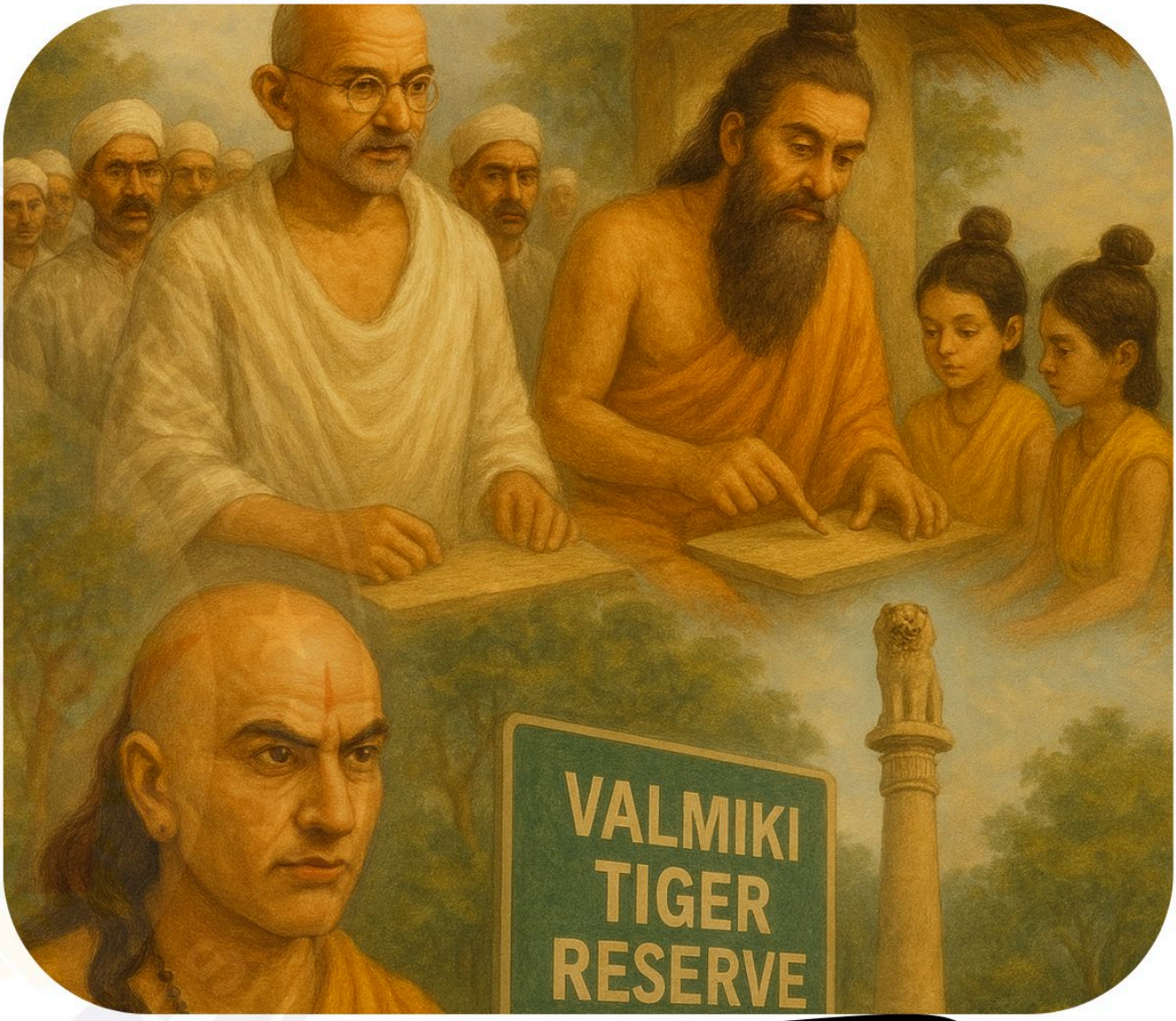

"संभव की सीमा जानने का एक ही तरीका है, असंभव से आगे निकल जाना।"। — स्वामी विवेकानंद

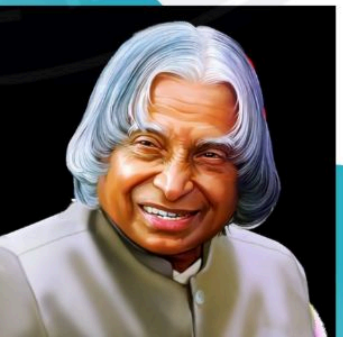

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. श्रीलंका की प्रशासनिक राजधानी क्या है?
उत्तर: श्री जयवर्धनेपुरा कोट्टे
प्रश्न 2. भारत के पहले लोकसभा अध्यक्ष कौन थे?
उत्तर: जी. वी. मावलंकर
प्रश्न 3. 'हॉर्नबिल उत्सव' किस जनजातीय राज्य का प्रमुख पर्व है?
उत्तर: नागालैंड
प्रश्न 4. वह सबसे छोटी अभाज्य संख्या कौन-सी है जो विषम नहीं है?
उत्तर: 2
प्रश्न 5. बिहार के किस जिले में वाल्मीकि टाइगर रिजर्व स्थित है?
उत्तर: पश्चिम चंपारण
प्रश्न 6. सरिस्का टाइगर रिजर्व किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: राजस्थान
प्रश्न 7. ब्रेल लिपि का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: लुई ब्रेल
प्रश्न 8. भारत में पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा किस संशोधन से मिला?
उत्तर: 73वाँ संशोधन
प्रश्न 9. 'जलद' शब्द का पर्यायवाची क्या है?
उत्तर: बादल
प्रश्न 10. पौधों द्वारा छोड़ी गई अतिरिक्त जलवाष्प की प्रक्रिया क्या कहलाती है?
उत्तर: वाष्पोत्सर्जन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Answer – (आन्सर) – उत्तर
Exam – (एग्ज़ाम) – परीक्षा
Homework – (होमवर्क) – गृहकार्य
Notebook – (नोटबुक) – कॉपी
Pencil – (पेंसिल) – पेंसिल
Eraser – (इरेज़र) – रबर
Sharpener – (शार्पनर) – छिलनी

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "हम ... नहीं रहे/रही हैं" (We are not ...ing)

हम पढ़ नहीं रहे हैं। – We are not reading.
हम लिख नहीं रहे हैं। – We are not writing.
हम खेल नहीं रहे हैं। – We are not playing.
हम खा नहीं रहे हैं। – We are not eating.
हम सीख नहीं रहे हैं। – We are not learning.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

अनुभाग-3

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 11 मई को भारत की वैज्ञानिक प्रगति के सम्मान में कौन सा दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस
व्याख्या: 11 मई 1998 को भारत ने पोखरण में सफल परमाणु परीक्षण किया था। इसी ऐतिहासिक उपलब्धि की याद में प्रतिवर्ष 'National Technology Day' मनाया जाता है। यह दिवस वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के योगदान को सराहने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।
संदर्भ: Ministry of Science and Technology, India (2026).

2. हाल ही में 'नीति आयोग' द्वारा जारी 'सतत विकास लक्ष्य (SDG) भारत सूचकांक 2026' में किस राज्य ने प्रथम स्थान प्राप्त किया? (समसामयिकी)
उत्तर: केरल
व्याख्या: मई 2026 की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य, शिक्षा और लैंगिक समानता के मानकों पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए केरल शीर्ष पर बना हुआ है। यह सूचकांक राज्यों के बीच विकास की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NITI Aayog SDG India Index Report, May 2026.

3. मौर्य साम्राज्य में 'धम्म' के प्रचार के लिए नियुक्त किए गए विशेष अधिकारियों को क्या कहा जाता था? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: धम्म महामत्त
व्याख्या: सम्राट अशोक ने लोगों को नैतिक शिक्षा देने और 'धम्म' के सिद्धांतों का प्रसार करने के लिए 'धम्म महामत्त' नामक अधिकारियों की नियुक्ति की थी। वे एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाकर लोगों को आपसी भाईचारे और अहिंसा का संदेश देते थे।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 7 Ashoka, The Emperor Who Gave Up War, p. 71.

4. पृथ्वी के उस ठोस भाग को क्या कहते हैं जिस पर हम रहते हैं? (पर्यावरण/भूगोल)
उत्तर: भूमंडल (Lithosphere)
व्याख्या: पृथ्वी की ऊपरी सतह, जो चट्टानों और मिट्टी की पतली परतों से बनी है, भूमंडल कहलाती है। इसमें महाद्वीप और महासागरों की सतह शामिल है। यह मंडल हमें रहने के लिए भूमि और कृषि के लिए मिट्टी प्रदान करता है, जो जीवन का आधार है।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 5 Major Domains of the Earth, p. 31.

5. प्राचीन मौर्य प्रशासन में कर (Tax) वसूलने वाले अधिकारी को किस नाम से जाना जाता था? (इतिहास)
उत्तर: समाहर्ता
व्याख्या: मौर्य काल में राजस्व विभाग का मुख्य अधिकारी 'समाहर्ता' कहलाता था। उसका कार्य साम्राज्य के विभिन्न हिस्सों से कर एकत्र करना और आय-व्यय का लेखा-जोखा रखना था। मौर्य प्रशासन अपनी सुव्यवस्थित कर प्रणाली के लिए प्रसिद्ध था।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 7 Ashoka, The Emperor Who Gave Up War, p. 69.

"सामान्य-ज्ञान"

6. विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप कौन सा है जो पृथ्वी के कुल क्षेत्रफल के एक-तिहाई भाग में फैला है? (भूगोल)
उत्तर: एशिया (Asia)
व्याख्या: एशिया दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे अधिक जनसंख्या वाला महाद्वीप है। यह पूर्वी गोलार्ध में स्थित है और कर्क रेखा इससे होकर गुजरती है। हिमालय पर्वतमाला और विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट इसी महाद्वीप का हिस्सा हैं।
संदर्भ: NCERT Class 6 Geography, Ch 5 Major Domains of the Earth, p. 32.

7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद को डॉ. अंबेडकर ने 'संविधान की हृदय और आत्मा' कहा था? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 32
व्याख्या: अनुच्छेद 32 'संवैधानिक उपचारों का अधिकार' प्रदान करता है। इसके तहत नागरिक अपने मौलिक अधिकारों के उल्लंघन पर सीधे सर्वोच्च न्यायालय जा सकते हैं। यह अनुच्छेद अधिकारों के वास्तविक क्रियान्वयन की गारंटी देता है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, p. 38.

8. किस उपकरण का उपयोग वायुमंडलीय दाब (Atmospheric Pressure) मापने के लिए किया जाता है? (विज्ञान)
उत्तर: बैरोमीटर
व्याख्या: बैरोमीटर एक वैज्ञानिक उपकरण है जो हवा के दबाव को मापता है। वायुदाब में अचानक गिरावट आने से तूफान या खराब मौसम का संकेत मिलता है। यह मौसम विज्ञान और भौतिकी की एक आधारभूत और महत्वपूर्ण अवधारणा है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Science, Ch 8 Winds, Storms and Cyclones, p. 81.

9. 'कलारीपयट्टू' किस भारतीय राज्य की प्रसिद्ध और प्राचीन मार्शल आर्ट (युद्ध कला) है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: केरल
व्याख्या: कलारीपयट्टू को दुनिया की सबसे पुरानी युद्ध कलाओं में से एक माना जाता है। इसमें शारीरिक फुर्ती, अस्त्र-शस्त्र का प्रयोग और ध्यान का समन्वय होता है। यह केरल की सांस्कृतिक पहचान और वीरता का प्रतीक है।
संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 9 The Making of Regional Cultures, p. 129.

10. बिहार के किस जिले में 'संजय गांधी जैविक उद्यान' (चिड़ियाघर) स्थित है? (बिहार GK)
उत्तर: पटना
व्याख्या: पटना में स्थित यह उद्यान बिहार का सबसे बड़ा जैविक उद्यान है। यह वन्यजीवों के संरक्षण और बच्चों के लिए शैक्षणिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र है। यहाँ गैंडा प्रजनन और विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों का संरक्षण किया जाता है।
संदर्भ: Bihar Forest & Wildlife Dept; NCERT General Awareness.

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार के अनुसार, आग बुझाने वाले लाल रंग के सिलेंडर को तकनीकी रूप से क्या कहते हैं? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: अग्निशामक (Fire Extinguisher)
व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (मई: अग्नि सुरक्षा) के अनुसार, प्रत्येक विद्यालय में 'अग्निशामक यंत्र' होना अनिवार्य है। इसका उपयोग आग की शुरुआत में ही उसे बुझाने के लिए किया जाता है। छात्रों को इसे चलाने की विधि 'PASS' (Pull, Aim, Squeeze, Sweep) सिखाई जानी चाहिए।
संदर्भ: बिहार आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) अग्नि सुरक्षा मॉड्यूल 2026.

12. एक टोकरी में 5 सेब हैं और उन्हें 5 बच्चों में इस तरह बांटना है कि हर बच्चे को 1 सेब मिले, लेकिन 1 सेब टोकरी में ही रहे। यह कैसे संभव है? (रीजनिंग)
उत्तर: पांचवें बच्चे को टोकरी सहित सेब देकर
व्याख्या: पहले 4 बच्चों को 1-1 सेब दिया जाएगा। पांचवें बच्चे को आखिरी सेब उस 'टोकरी के साथ' ही दे दिया जाएगा। इस तरह उसे अपना सेब भी मिल गया और 1 सेब टोकरी के अंदर भी रहा। यह प्रश्न लीक से हटकर (Out of the box) सोचने की क्षमता को परखता है।
संदर्भ: Lateral Thinking Puzzles for Students (2026).

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Fickle (फिकल) = Unstable (अनस्टेबल) = चंचल / अस्थिर
Antonym – Steadfast (स्टेडफास्ट) = दृढ़ / स्थिर
Garnish (गार्निश) = Decorate (डेकोरेट) = सजाना
Antonym – Strip (स्ट्रिप) = हटाना / खाली करना
Heed (हीड) = Notice (नोटिस) = ध्यान देना
Antonym – Neglect (नेग्लेक्ट) = उपेक्षा करना
Illuminate (इल्यूमिनेट) = Brighten (ब्राइटन) = प्रकाशमान करना / स्पष्ट करना
Antonym – Darken (डार्कन) = अंधकारमय करना
Jovial (जोवियल) = Cheerful (चीयरफुल) = हंसमुख
Antonym – Gloomy (ग्लूमी) = उदास

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Prime Minister addresses the nation on National Technology Day; announces 'Mission Bharat-Chip' to make India a global hub for 2nm semiconductor design by 2029.
प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर राष्ट्र को संबोधित किया; 2029 तक भारत को 2nm सेमीकंडक्टर डिजाइन का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए 'मिशन भारत-चिप' की घोषणा की।

ISRO successfully test-fires 'Indus-SemiCryo' engine for next-gen reusable launch vehicles; achieves 20% higher fuel efficiency.
इसरो ने अगली पीढ़ी के पुन: प्रयोज्य प्रक्षेपण यान के लिए 'इंडस-सेमीक्रायो' इंजन का सफल परीक्षण किया; ईंधन दक्षता में 20% की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज।

Ministry of Education and NCERT launch 'Vidya-AI 2.0' for school students to provide personalized learning paths in 22 regional languages.
शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी ने स्कूली छात्रों के लिए 'विद्या-एआई 2.0' लॉन्च किया; यह 22 क्षेत्रीय भाषाओं में व्यक्तिगत शिक्षण पथ (Personalized Learning) प्रदान करेगा।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council adopts 'Global Treaty on AI Sovereignty'; mandates international cooperation for ethical AI deployment in defense.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'एआई संप्रभुता पर वैश्विक संधि' अपनाई; रक्षा क्षेत्र में एआई के नैतिक उपयोग के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को अनिवार्य किया गया।

BBC News: Global Climate Alliance reports Solar Energy output surpassed Coal for the first time globally in the 2025-26 fiscal year.
बीबीसी न्यूज़: ग्लोबल क्लाइमेट एलायंस की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में वैश्विक स्तर पर पहली बार सौर ऊर्जा का उत्पादन कोयले से अधिक रहा।

World Health Organization (WHO) issues 'Global Health Alert' on new Respiratory Variant; calls for unified diagnostic protocols across 50 nations.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने नए श्वसन वेरिएंट पर 'ग्लोबल हेल्थ अलर्ट' जारी किया; 50 देशों में एकीकृत नैदानिक प्रोटोकॉल लागू करने का आह्वान।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'Climate Resilience Research Hub' in Pusa to mitigate flood impacts on regional agriculture.
बिहार सरकार बाढ़ के प्रभाव को कम करने और कृषि सुरक्षा के लिए पूसा (समस्तीपुर) में 'जलवायु लचीलापन अनुसंधान हब' स्थापित करेगी; BPSC के लिए महत्वपूर्ण खबर।

SCERT Bihar launches 'Digital Shikshak 2026' portal to provide AI-based pedagogical training to 1.5 lakh rural primary teachers.
एससीईआरटी बिहार ने 1.5 लाख ग्रामीण प्राथमिक शिक्षकों को एआई-आधारित शिक्षण प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 'डिजिटल शिक्षक 2026' पोर्टल लॉन्च किया।

SPORTS NEWS

India clinches Gold at Asian Wrestling Championships 2026 in Tashkent; Aman Sehrawat wins historic final in 57kg category.
भारत ने ताशकंद में एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में स्वर्ण पदक जीता; अमन सहरावत ने 57 किग्रा वर्ग के ऐतिहासिक फाइनल में जीत दर्ज की।

Ministry of Youth Affairs and Sports launches 'Khelo India University Games 2026' mascot 'Veera'; focus on 20 indigenous sports.
युवा मामले और खेल मंत्रालय ने 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2026' का शुभंकर 'वीरा' लॉन्च किया; इस बार 20 स्वदेशी खेलों पर विशेष ध्यान रहेगा।

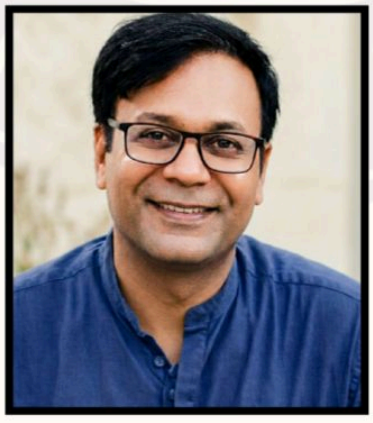

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"नई सोच, नया समाधान"

(राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस विशेष)

विद्यालय में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर विज्ञान और तकनीक पर विशेष चर्चा हो रही थी। सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।
मैडम जी ने बच्चों से पूछा—
"बच्चों, क्या तकनीक केवल मशीनों का नाम है?"
सभी छात्र सोच में पड़ गए।
तभी मैडम जी ने एक कहानी सुनाई।

एक छात्र था रोहित। उसे कंप्यूटर और रोबोट बनाना बहुत पसंद था। एक दिन विद्यालय की पुस्तकालय में उसने देखा कि कई पुस्तकें गलत जगह रखी रहती हैं। बच्चों को अपनी पसंद की पुस्तक ढूँढ़ने में बहुत समय लगता था।

रोहित ने सोचा कि इस समस्या का कोई आसान समाधान होना चाहिए। उसने पुस्तकालय एवं विज्ञान मंत्री और पुस्तकालय प्रभारी शिक्षक की मदद से एक सरल योजना बनाई। प्रत्येक पुस्तक पर अलग रंग का छोटा लेबल लगाया गया—
विज्ञान के लिए हरा, कहानी के लिए नीला, सामान्य ज्ञान के लिए पीला।
इसके साथ उसने कंप्यूटर पर पुस्तकों की एक सूची भी तैयार की। अब छात्र कुछ ही मिनटों में अपनी पुस्तक ढूँढ़ लेते थे।

पुस्तकालय प्रभारी ने प्रसन्न होकर कहा—
"रोहित, तुमने कोई बड़ी मशीन नहीं बनाई, लेकिन अपनी सोच से सबका काम आसान कर दिया।"

मैडम जी ने बच्चों को समझाया—
"यही तकनीक का असली अर्थ है—समस्या को समझना और बुद्धिमानी से उसका समाधान करना।"

रोहित मुस्कुराया और बोला—
"तकनीक मशीनों से नहीं, इंसान की सोच से जन्म लेती है।"
सभा के अंत में सभी छात्रों ने संकल्प लिया—
"हम विज्ञान और तकनीक का उपयोग समाज की भलाई के लिए करेंगे।"
संदेश "महान तकनीक की शुरुआत एक संवेदनशील और जिज्ञासु मन से होती है।"

.....✍️

मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा — हुनरमंद हाथ, उज्ज्वल भविष्य

आदरणीय शिक्षक साथियों, "शिक्षक संवर्धन" श्रृंखला के उन्नीसवें अंक में आपका स्वागत है। पिछले अंक में हमने बच्चे के व्यक्तित्व को आंकने के नए तरीके यानी 'समग्र प्रगति कार्ड' को समझा। आज हम उस विषय पर चर्चा करेंगे जो शिक्षा को किताबी दुनिया से निकालकर आत्मनिर्भरता की दहलीज पर खड़ा करता है। आज का हमारा विषय है— कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा: शिक्षा को हाथों के हुनर से जोड़ना।

शिक्षक संवर्धन: अंक-19

विषय: कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा — हुनरमंद हाथ, उज्ज्वल भविष्य

शिक्षक साथियों, हमारे समाज में लंबे समय तक यह धारणा रही है कि 'पढ़ना-लिखना' एक बौद्धिक कार्य है और 'हाथों से काम करना' (जैसे बढ़ईगिरी, सिलाई, या खेती) उन लोगों के लिए है जो पढ़ाई में पिछड़ जाते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। नीति का स्पष्ट मानना है कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता और हर छात्र को कम से कम एक 'हुनर' या व्यावसायिक कौशल में दक्ष होना चाहिए। इसी उद्देश्य से कक्षा 6 से ही व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education) को मुख्य पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है।

व्यावसायिक शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी पाना नहीं है, बल्कि यह छात्र के भीतर 'श्रम के प्रति सम्मान' (Dignity of Labour) पैदा करने की एक प्रक्रिया है। जब एक छात्र कोडिंग सीखता है, या स्कूल के बगीचे में पौधों की कलम लगाना सीखता है, या स्थानीय मिट्टी के कलाकारों के साथ बर्तन बनाना देखता है, तो वह ज्ञान को केवल 'पढ़' नहीं रहा होता, बल्कि उसे 'जी' रहा होता है। NEP 2020 के अंतर्गत '10-दिनों का बस्ता-मुक्त (Bagless Days)' कार्यक्रम इसी दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है, जहाँ छात्र स्थानीय विशेषज्ञों से सीधे हुनर सीखते हैं।

उदाहरण:

इसे हम अपने विद्यालय की एक स्थिति से समझते हैं। मान लीजिए, आपकी कक्षा 6 में 'बिजली' (Electricity) का पाठ पढ़ाया जा रहा है। पारंपरिक तरीका यह था कि आप बल्ब और तार का चित्र बनाकर उसका परिपथ (Circuit) समझा देते। लेकिन 'शिक्षक संवर्धन' के दृष्टिकोण वाला शिक्षक एक कदम आगे बढ़ेगा।

वह 'बस्ता-मुक्त' दिनों के दौरान स्कूल में किसी स्थानीय इलेक्ट्रीशियन को आमंत्रित करेगा। वह इलेक्ट्रीशियन बच्चों के सामने एक खराब पंखा खोलेगा या एक स्विच बोर्ड की मरम्मत करके दिखाएगा। बच्चे देखेंगे कि तार कैसे जोड़े जाते हैं और सुरक्षा के क्या नियम हैं। यहाँ छात्र ने विज्ञान के 'सिद्धांत' को अपनी आँखों से 'व्यवहार' में बदलते देखा। हो सकता है कि इसी अनुभव से प्रेरित होकर कोई छात्र भविष्य में एक महान इंजीनियर या नवाचारी (Innovator) बने। यहाँ शिक्षा ने छात्र को केवल जानकारी नहीं दी, बल्कि उसे एक 'कौशल' से परिचित कराया।

शिक्षक साथियों, कौशल विकास का एक बड़ा लाभ यह है कि यह शिक्षा को स्थानीय अर्थव्यवस्था और जरूरतों से जोड़ता है। हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ कृषि या पारंपरिक शिल्प मुख्य आधार हैं, वहां छात्रों को इन आधुनिक तकनीकों से जोड़ना उन्हें अपने ही परिवेश में रोजगार के अवसर प्रदान कर सकता है। एक शिक्षक के रूप में हमारी भूमिका यहाँ एक 'सेतु' (Bridge) की है, जो छात्र की रुचि और समाज की आवश्यकता को आपस में जोड़ता है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि हमें 'सिर' (Head) की शिक्षा के साथ-साथ 'हाथ' (Hand) के हुनर को भी सम्मान देना होगा। जब ज्ञान और हुनर मिलते हैं, तभी वास्तविक 'आत्मनिर्भरता' का जन्म होता है। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा में श्रम और हुनर के प्रति बच्चों के मन में सम्मान बढ़ रहा है? क्या आप अपने आस-पास के स्थानीय हुनरमंदों को बच्चों के 'गुरु' के रूप में देख पा रहे हैं?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहाः बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोरः पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकताः ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशाः 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या -51.

उड़ान सपनों की – इण्टर के बाद 'एयर होस्टेस और केबिन क्रू' में रोमांचक कैरियर

'संपादकीय'

(समापन अंक)

मेरे प्रिय छात्र-छात्राओं,

आज के दौर में निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में सुरक्षा (Security) का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है। बड़े-बड़े कॉर्पोरेट ऑफिस, बैंक, ऐतिहासिक स्मारक और औद्योगिक इकाइयों को न केवल शारीरिक सुरक्षा, बल्कि सतर्क 'विजिलेंस' (सतर्कता) की भी आवश्यकता होती है। यदि आपने मैट्रिक (10वीं) की परीक्षा दी है और आप शारीरिक रूप से फिट हैं, तो 'सुरक्षा और विजिलेंस मैनेजमेंट' आपके लिए रोजगार का एक सशक्त माध्यम बन सकता है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता: यह एक पेशेवर प्रशिक्षण कोर्स है जिसमें भीड़ नियंत्रण, आपातकालीन प्रतिक्रिया, प्राथमिक चिकित्सा, फायर सेफ्टी और आधुनिक सुरक्षा उपकरणों (जैसे CCTV, मेटल डिटेक्टर) का संचालन सिखाया जाता है।

- अर्हता: मैट्रिक (10वीं) उत्तीर्ण।
- अवधि: 3 माह से 6 माह (सर्टिफिकेट/डिप्लोमा)।
- शारीरिक मापदंड: अच्छी लंबाई और स्वस्थ शरीर।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान: इस क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए सरकारी और निजी दोनों विकल्प उपलब्ध हैं:

- प्रमुख संस्थान: राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (RRU) के विभिन्न प्रशिक्षण केंद्र, और बिहार सरकार के सहयोग से चलने वाले 'कौशल विकास केंद्र' (Skill Development Centers)।
- निजी एजेंसियां: SIS (Security and Intelligence Services) जैसी प्रतिष्ठित एजेंसियां भी मैट्रिक पास युवाओं को प्रशिक्षित कर सीधे नौकरी प्रदान करती हैं।
- वेबसाइट: rru.ac.in और psara.gov.in (Private Security Agency Regulation Act Portal)।

3. भविष्य एवं रोजगार की संभावना: इस कोर्स के बाद आप केवल 'गार्ड' नहीं, बल्कि एक 'सुरक्षा पेशेवर' के रूप में अपनी पहचान बनाते हैं:

- कैरियर विकल्प: सुरक्षा पर्यवेक्षक (Security Supervisor), विजिलेंस ऑफिसर, पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (PSO) और एयरपोर्ट सिक्योरिटी स्टाफ।
- क्षेत्र: बैंक, मेट्रो, शॉपिंग मॉल्स, होटल और वीआईपी सुरक्षा।
- वेतन: शुरुआती वेतन ₹15,000 से ₹25,000 प्रति माह हो सकता है, जो अनुभव और स्थान के साथ बढ़ता जाता है।

4. वित्तीय सहायता: * बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: यदि आप किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय (जैसे RRU) से सुरक्षा प्रबंधन का डिप्लोमा करते हैं, तो बिहार सरकार ₹4 लाख तक का ऋण प्रदान करती है।

- मुख्यमंत्री उद्यमी योजना: यदि आप स्वयं की एक छोटी सिक्योरिटी एजेंसी शुरू करना चाहते हैं, तो आप सूक्ष्म उद्योगों के तहत सरकारी अनुदान और ऋण प्राप्त कर सकते हैं।
- वेबसाइट: 7nischay-yuvaupmission.bihar.gov.in

मेरी सलाह: अनुशासन और साहस इस क्षेत्र की पहली शर्त है। यदि आप सुरक्षा बलों (पुलिस/सेना) में जाने की इच्छा रखते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए एक मजबूत आधार और तत्काल रोजगार का साधन बन सकता है।

शुभकामनाओं सहित, आपका मार्गदर्शक

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

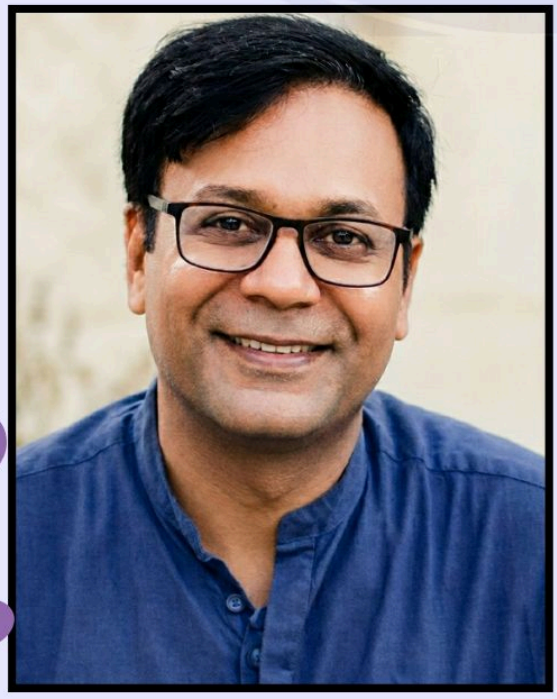

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org